>

Title: Need to introduce a bill for inclusion of Rajasthani language in the Eight Schedule to the Constitution.

डॉ. करण सिंह यादव (अलवर) : अध्यक्ष महोदय, अभी भोजपुरी भाषा की बात यहां उठी थी और इसी सदन में राजस्थानी भाषा का बिल लाने की बात कही गयी थी। राजस्थानी 10 करोड़ लोगों की भाषा है जिसमें से 6 करोड़ लोग राजस्थान में रहते हैं। देश-विदेश में रहने वाले राजस्थानी इस बात की बहुत लम्बे अर्से से मांग करते रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, माननीय लालू प्रसाद जी ने यहां पर भोजपुरी भाषा के लिए कहा है। मैं उनसे निवेदन करूंगा कि जब वे भोजपुरी भाषा का बिल लाएं, तब राजस्थानी भाषा भी आपके माध्यम से संविधान की आठवीं अनुसूची में सम्मिलित हो जाए, इतना ही मुझे कहना है।

MR. SPEAKER: All Rajasthani members, who want to associate with the hon. Member should send their names.

श्री मानवेन्द्र सिंह (बाड़मेर) : सर, मैं डॉ करण सिंह जी के साथ अपने को सम्बद्ध करता हूं।

प्रो. रासा सिंह रावत (अजमेर): अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से सरकार से प्रार्थना करना चाहूंगा कि वायदे के अनुसार राजस्थानी भाषा को भी संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किया जाए।

अध्यक्ष महोदय : ठीक है। थैंक यू वैरी मच। जो चुप बैठते हैं उनकी हम पूरी मदद करते हैं। ये बहुत सम्माननीय सदस्य हैं। इन्हें देखकर सीखना चाहिए। कहां गया हमारा दोस्त? गिरधारी लाल भार्गव और रासा सिंह जी बढ़िया एमपीज हैं। आप इन्हें देखकर सीखो।